की खराबी कम करता है।

- पशुओं की पाचन शक्ति ठीक करता है जिससे पशु ज़्यादा चारा खाता है।
- दूध उत्पादन में वृद्धि के साथ पशु की फैट मात्रा बढ़ती है।
- पशु के दूध देने की अवधि बढ़ जाती है।
- पशुओं की प्रजनन क्षमता अच्छी बनी रहती है।
- यह पशुओं के सामान्य स्वास्थ, त्वचा को अच्छा बनाए रखने में सहायक है।
- जो पशु लंबे समय से गर्मी में (Heat) नहीं आते उनको इस ब्लॉक को चाटने से गर्मी के लक्षण दिखाई देने लगते हैं।
- गर्भावस्था के अंतिम दिनों में और बच्चा देने और दूध देने के समय मिनरल ब्लॉक चटाने से पशु जल्दी गर्मी में आ जाता है।

खिलाने का तरीका

- बड़े जानवर को प्रतिदिन 400–600 ग्राम ईंट चाटने को दी जानी चाहिए। लेकिन इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि मिनरल ब्लॉक को धीरे–धीरे लगभग 7–10 दिनों के अंदर ब्लॉक की पूरी खुराक चटाएं।
- पहले 3–4 दिन में प्रतिदिन 200 ग्राम ब्लॉक चटाएं और अगले 4–6 दिन तक प्रतिदिन 400 ग्राम चाटाएं। फिर 10 दिन के बाद पूरी खुराक चटाएं। जिससे कि पशु ब्लॉक के स्वाद से परिचित हो जाए और यूरिया का ज़हरीला प्रभाव न आए।

ध्यान दें : यह ईंटें छोटे बछड़े और कट्टों को नहीं दी जाती।

पूरी जानकारी के लिए Veterinary Medicine विभाग
FVSc & AH, SKUAST-J, R.S. Pura से संपर्क करें

(Dr. Rajiv Singh, Dr. Rajesh Aggarwal & Dr. Ravleen Kour)

यूरिया मोलस्सेस मलटी न्यूट्रीयंट ब्लॉक एक पूर्ण भोजन

पशु औषधि विभाग
पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय
शेर-ए-कश्मीर कृषि एवं प्रौधौगिकी विश्वविद्यालय
रणवीर सिंह पुरा, जम्मू - 181102

यूरिया मोलासिस मिनरल ब्लॉक (UMMB) पशुओं के लिए एक पूर्ण भोजन है। यह दुधारू पशुओं के लिए ऊर्जा, प्रोटीन और खनिज तत्वों को आसानी से उपलब्ध कराने का बहुत अच्छा स्त्रोत है। इसको पशुओं को खिलाने से उनको भरपूर मात्रा में पोषक तत्व तो मिलते हैं इसके साथ में यूरिया के धीमी गति से पेट में जाने से जैव प्रोटीन का ज़्यादा मात्रा में उत्पादन होता है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर हो जाती है। हरे चारे की कमी में जब पशु को सूखा चारा देते हैं तो मिनरल ब्लॉक उसके जीवाणुओं में बढ़ोतरी करता है और पाचन शक्ति ठीक रखता है। सूखे चारे के साथ मिनरल ब्लॉक का उपयोग पशु के उत्पादन को बढ़ाता है जिससे किसान की आय में भी वृद्धि होती है। इस ब्लॉक को साल भर खिलाया जा सकता है लेकिन गर्मियों में जब हरा चारा उपलब्ध नहीं होता तो उस सम इसका उपयोग ज़्यादा फायदेमंद होता है।

खुराकी ईंट (UMMB) बनाने का आसान तरीका

फारमुला

- सीरा 35%
- यूरिया 20%
- सरया दी खल/मूंगफली खल 20%
- बुगदू (तेल बिना) 27%
- बुगदू (तेल सहित) 26%
- सीमेन्ट 20%
- नमक 2%

ईंट बनाने का तरीका

1. फार्मुले के अनुसार :
   - यूरिया को सीरा में मिलाओ
   - बाकी सभी चीज़ें तोलने के बाद मिलाकर मिश्रण बनाओ।
   - इस मिश्रण के बीच में यूरिया और सीरा का घोल डालो।
2. लगभग 2 किलो का मिश्रण वज़न करो और लोहे के फ्रेम में डालो ऊपर से लकड़ी की फट्टी रख दो।
3. ईंटें पैरों के भार से दबा के बनाई जाती हैं।
4. लोहे के फ्रेम को हटा दो और ईंटों को 3–5 दिन तक सूखने दो। सूखने के बाद जानवरों को दो।

ब्लॉक चाटने के फायदे

- पशु सूखा चारा ज़्यादा खाता है और चारे